संपादकीय

ग्लोबल वार्मिंग के खतरे

ग्लोबल वार्मिंग के खतरों का कल्पना-लोक लगातार बड़ा होता जा रहा है। धरती के बढ़ते ताप पर जैसे-जैसे वैज्ञानिकों में सहमति बनती जा रही है, यह भी सोचा जाने लगा है कि अगर तापमान हद से ज्यादा बढ़ गया, तो क्या होगा? स्टीफन हॉकिंग जैसे वैज्ञानिक यह चेतावनी दे चुके हैं कि खतरा बढ़ा, तो हो सकता है कि भविष्य में धरती की पूरी आबादी को लेकर किसी दूसरे ग्रह पर बसाना पड़े। संकट के समय में हमें कहां सहारा बल्कि आश्रय मिल सकता है, यह कोई नहीं जानता। पिछले कुछ साल में दुनिया भर के वैज्ञानिकों ने हालांकि ऐसे बहुत सारे ग्रह ढूंढ़ निकाले हैं, जहां धरती जैसी ही परिस्थितियां हैं, लेकिन हम अभी पूरी तरह से नहीं जानते कि वहां जीवन बस सकता है या नहीं? यह आसान भी नहीं होगा, क्योंकि यह सिर्फ आवास परिवर्तन भर नहीं है बल्कि धरती के पूरे जीव-जगत को, उसकी पूरी डायवर्सिटी को एक जगह से दूसरी जगह रोपने का मामला है। एक समस्या यह भी है कि अभी तक जीवन की संभावना वाले जो ग्रह ढूंढे भी गए हैं, वे हमारी धरती से काफी दूर हैं। जैसे अभी पिछले महीने ही नासा के वैज्ञानिकों ने एक ऐसे तारे की खोज की, जिसके आस-पास धरती के आकार के सात ग्रह चक्कर काट रहे हैं और अभी तक की जानकारी के हिसाब से इन सभी ग्रहों पर वैसी स्थितियां हैं, जिनमें जीवन पनप सकता है, लेकिन समस्या यह है कि ये ग्रह हमसे 39 प्रकाश वर्ष दूर हैं। यानी अगर हम प्रकाश की गति से भी वहां जाएं, तब भी 39 वर्ष में वहां पहुंच पाएंगे। इस गति से यात्रा करना अभी हमारे लिए मुमकिन नहीं है और हमारे रॉकेट जिस अधिकतम गति से आगे बढ़ सकते हैं, उससे तो वहां तक पहुंचने में सदियां लग जाएंगी। जाहिर है कि किसी दूसरे ग्रह पर मानव को बसाने की कल्पना जितनी आसान है, व्यवहार में यह उससे कहीं ज्यादा जटिल मामला है। धरती पर आ गए संकट के समय इसे अपनाना शायद मुमकिन न हो। अब वैज्ञानिकों ने इसका एक वैकल्पिक तरीका सोचा है। उनका कहना है कि अगले 20 साल के अंदर हम अंतरिक्ष में ऐसी कॉलोनियां बसाने की स्थिति में होंगे, जो किसी ग्रह पर नहीं होंगी, बल्कि अंतरिक्ष में तैरेंगी। कुछ-कुछ उसी तरह से, जैसे मशहूर कार्टून सीरियल जेटसन में होता है, जहां लोग अंतरिक्ष में तैरती इमारतों में रहते हैं और आकाशीय रास्तों से आया-जाया करते हैं। इन कॉलोनियों के डिजाइन के बारे में भी सोचा जाने लगा है और ऐसी फसलों के बारे में भी, जिन्हें अंतरिक्ष में उगाया जा सके। ब्रिटिश इंटरप्लेनेटरी सोसायटी के विशेषज्ञ ने तो ऐसी कॉलोनियों के ढेर सारे फायदे भी गिना दिए हैं। उनका कहना है कि ऐसी कॉलोनियों में रहने वाले लोगों की उम्र लंबी होगी और उनकी लंबाई भी अब के मुकाबले ज्यादा होगी। जब आपके घर के बाहर न वायु होगी और न वातावरण, तो प्रदूषण का सवाल ही नहीं उठता है, भले ही पड़ोसी कोई उल्का हो। एक अन्य सोच यह भी है कि अंतरिक्ष में मानव आबादी के इतने महंगे तामझाम बनाने की बजाय बेहतर यही होगा कि इस धरती को ही बचाने की कोशिश की जाए। इसमें शायद इतना खर्च भी नहीं होगा। धरती के बढ़ते तापमान को रोका जा सकता है। इसे लेकर वैज्ञानिक एकराय नहीं हैं। कुछ वैज्ञानिकों का कहना है कि धरती को बचाना ही सबसे बड़ी प्राथमिकता है, लेकिन किसी कारण से हम यह नहीं कर सके, तो वैकल्पिक रास्तों की अभी से तलाश करने में कोई बुराई नहीं। अभी हम ठीक से कुछ नहीं जानते कि गरम धरती का जीवन कैसा होगा और आसमान में उड़ती कॉलोनियां हमें कौन सी जीवनशैली देंगी? कुछ भी हो, बुरे भविष्य के लिए अच्छी उम्मीदें नए रास्ते निकालने का आश्वासन तो देती ही हैं।

मणिपुर में भाजपा की नई सरकार के सामने कई चुनौतियां

नई दिल्ली

फुटबाल खिलाड़ी के तौर पर राष्ट्रीय स्तर पर नाम कमाने वाले नोंगथोम्बम बिरेन सिंह मणिपुर में भाजपा के पहले मुख्यमंत्री बन गए। अब इनके सामने चुनौतियों का पहाड़ खड़ा है, जिसे उनको पार करना होगा। राज्य में महीनों से चल रही आर्थिक नाकेबंदी भाजपा सरकार बनते ही खत्म हो गया। यह मणिपुर का बहुत बड़ा मुद्दा था। फिलहाल मुख्यमंत्री एन. बिरेन सिंह ने चुनौती की पहली सीढ़ी पार कर ली है।

पहली चुनौती कर ली है पार

बीरेन सिंह का अब तक का सफर भले आसान व दिलचस्प रहा हो, उनके लिए आगे की राह काफी मुस्किलों भरी है। विधानसभा की महज 60 सीटों वाला ये राज्य लंबे अरसे से कई जटिल समस्याओं से जूझ रहा है। इनमें सबसे प्रमुख रही आर्थिक नाकेबंदी, जिसे बिरेन सिंह की सरकार ने खत्म कर दिया है।

अलग जिलों के गठन के विरोध में नगा संगठन यूनाइटेड नगा काउंसिल (यूएनसी) ने बीते साल नवंबर से ही राज्य की जीवनरेखा कही जाने वाली दोनों प्रमुख सड़कों पर आर्थिक नाकेबंदी कर रखी थी। राज्य को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने वाली सड़कों, नेशनल हाइवे-2 और 37 पर वाहनों की आवाजाही ठप थी। यह पर्वतीय राज्य सब्जियों और खाने-पीने की दूसरी चीजों के लिए दूसरे राज्यों पर निर्भर है, लेकिन वाहनों की आवाजाही ठप होने की वजह से आवश्यक वस्तुएं सप्लाई बाधित है।

वैसे, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह ने भाजपा के सत्ता में आने के बाद राज्य को बंद और नाकेबंदी-मुक्त करने का वादा किया था, जिसे पूरा कर दिया गया है।

इस मामले में मुख्यमंत्री बीरेन सिंह का कहना था कि राज्य में महीनों से जारी नाकेबंदी खत्म करना सरकार की पहली प्राथमिकता होगी।

इस पहाड़ को करना होगा पार

इसके अलावा नगा उग्रवादी संगठन नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल आफ नगालैंड (एनएससीएन) के इसाक-मुइवा गुट और केंद्र सरकार के बीच हुई शांति समझौते को लेकर भी राज्य के बहुसंख्यक मैतेयी तबके में संशय है।

यही वजह है कि कांग्रेस ने अपने चुनाव अभियान के दौरान भाजपा के खिलाफ इस समझौते का इस्तेमाल तुरुप के पत्ते की तरह किया। इस समझौते के तहत राज्य के नगा-बहुल इलाकों को ग्रेटर नगालैंड में शामिल करने जैसे प्रावधान होने के संदेह में यह राज्य हिंसा का लंबा दौर झेल चुका है। अब नई सरकार के लिए क्षेत्रीय अखंडता को बरकरार रखते हुए इस मुद्दे पर घाटी और पर्वतीय इलाके के लोगों के बीच बढ़ती दूरियों को कम करने की चुनौती होगी। दरअसल मणिपुर घाटी और पर्वतीय इलाकों में बंटा है। घाटी में मैतेयी जनजाति की बहुलता है तो पर्वतीय इलाकों में नगा जनजातियों की। इन दोनों के बीच अक्सर टकराव होता रहा है। सशस्त्र बल विशेषाधिकार अधिनियम को राज्य से खत्म करने का मुद्दा वैसे तो काफी पुराना है, लेकिन नई सरकार के सामने इस मुद्दे से निपटने की भी कड़ी चुनौती होगी।

विकास पर देना होगा जोर

मणिपुर में विकास की गति ठप होने और व्यापक स्तर पर भ्रष्टाचार के भी आरोप लगते रहे हैं। नई सरकार के सामने अपने कामकाज में पारदर्शिता बरतते हुए राज्य में विकास की गति को तेज करने की अहम चुनौती होगी।

इबोबी सिंह सरकार के खाते में कम से कम यह कामयाबी तो दर्ज है ही कि तमाम प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने अस्थिरता के लिए मशहूर पूर्वोत्तर इलाके के इस राज्य में लंबे समय तक एक स्थिर सरकार मुहैया कराई थी।

राज्य की संवेदनशील परिस्थिति को ध्यान में रखते हुए नई सरकार के लिए राज्य को राजनीतिक स्थिरता देना भी किसी चुनौती से कम नहीं होगा।

दैनिक पंचांग

21 मार्च 2017 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मीन	5.43 बजे से
चंद्र	धनु में	मेष	07.18 बजे से
मंगल	मेष में	वृष	08.58 बजे से
बुध	मीन में	मिथुन	10.56 बजे से
गुरु	कन्या में	कर्क	13.09 बजे से
शुक्र	मीन में	सिंह	15.26 बजे से
शनि	धनु में	कन्या	17.37 बजे से
राहु	सिंह में	तुला	19.48 बजे से
केतु	कुंभ में	वृश्चिक	22.03 बजे से
		धनु	00.19 बजे से
		मकर	2.24 बजे से
		कुंभ	4.11 बजे से

राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक

मंगलवार 2017 वर्ष का 80 वां दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** बसंत।
विक्रम संवत् 2073 **शक संवत्** 1938
मास चैत्र (दक्षिण भारत में फाल्गुन)
पक्ष कृष्ण **तिथि** अष्टमी 10.32 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** मूल 11.51 बजे को समाप्त। **योग** वरीयान 06.00 बजे प्रात: को समाप्त। **करण** कौलव 10.32 बजे तदनन्तर तैतिल 23.29 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 22.4 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 0° 13'
सूर्य उत्तरायण
कलि अहर्गण 1869368
जूलियन दिन 2457833.5
कलियुग संवत् 5118
कल्पारंभ संवत् 1972949116
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885116
वीरनिर्वाण संवत् 2543
हिजरी सन् 1438
महीना जमादि उस्सानी **तारीख** 21
विशेष विश्व वानिकी दिवस, विश्व सैन्य, ओशो सम्बोधि दिवस।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	06.01 से	07.30 बजे तक	काल	06.01 से	07.30 बजे तक
उद्वेग	07.31 से	09.00 बजे तक	लाभ	07.31 से	09.00 बजे तक
चर	09.01 से	10.30 बजे तक	उद्वेग	09.01 से	10.30 बजे तक
लाभ	10.31 से	12.00 बजे तक	शुभ	10.31 से	12.00 बजे तक
अमृत	12.01 से	01.30 बजे तक	अमृत	12.01 से	01.30 बजे तक
काल	01.31 से	03.00 बजे तक	चर	01.31 से	03.00 बजे तक
शुभ	03.01 से	04.30 बजे तक	रोग	03.01 से	04.30 बजे तक
रोग	04.31 से	06.00 बजे तक	काल	04.31 से	06.00 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ मंगल सैणचा, बेंगलोर

आपका राशिफल 21 मार्च

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ
लेन-देन में स्पष्टता बनाये रखें। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। पदोन्नति की संभावना है। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। शुभांक-7-8-9

वृष इ ठ ए ओ वा ती वू वे वो
आज की सुविधा कल नहीं मिल पायेगी, लाभ उठाएं। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शुभांक-2-5-7

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा
अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। नौकरी के क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेगी। प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-6-7-9

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो
श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। कारोबारी यात्रा सफल होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-1-4-6

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे
अपने काम को प्राथमिकता से करें। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। स्वभाव में सौम्यता आपकी मदद करेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। दिमाग में निर्मूल तर्क पैदा होंगे। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ स नरम रहेगा। शुभांक-5-7-9

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते
जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हो समय चक्र है। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। धन के लेन-देन में सतर्क रहें। शुभांक-2-5-7

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो या यी यू
परिवार में मांगलिक कार्यों का आयोजन होगा। वैवाहिक जीवन में प्रेम-प्रीति बढ़ेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। राजकीय सम्मान प्राप्त होने के योग हैं। शांतिपूर्वक कार्य करें, जान है तो जहान है अत: वाहन आदि चलाने में सावधानी बरतें। अपना कार्य स्वयं करें, किसी के भरोसे न रहें। शुभांक-1-5-9

धनु ये यो आ भी भू धा फा ढा भे
मेल-मिलाप भविष्य में लाभदायक सिद्ध होगा। स्वयं पर विश्वास कार्यों की सिद्धि है। घर तथा व्यावसाय को एक-दूसरे से दूर ही रखें। व्यापारिक संबंधों में प्रगति के योग हैं। कार्य स्थल पर नियमपूर्वक व्यवहार लाभकारी होगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। शुभांक-3-5-7

मकर भे जा जी खी खू खे खो गा गी
धन के लेन-देन में सतर्क रहें। बातचीत में संयम बरतें। मन में चंचलता बढ़ेगी। भावुकतावश निर्णय न लें। कर्ज देने से बचें। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। कला क्षेत्र के जातकों को मेहनत के बाद सफलता मिलेगी। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शुभांक-4-6-8

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा
सरकारी पक्ष से पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल रहेगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। आर्थिक मजबूती हेतु मन केन्द्रित होगा। मिल रहे अवसरों का लाभ उठाएं। आर्थिक योजनाएं फलित होंगी। स्त्री, संतान, मित्र के साथ मनोविनोद बढ़ेगे। बकाया धन की प्राप्ति के योग हैं। शुभांक-4-7-8

मीन दी दू थ झ ञ दे धो चा ची
उत्साह में वृद्धि होगी। आलस्य का त्याग करें। नये आय के स्त्रोत बनेंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। लम्बे प्रवास व चुनौती पूर्ण कार्यों का सामना हो सकता हैं। व्यवसायिक क्षेत्र में आपकी मेहनत व लगन की परीक्षा होगी। शुभांक-1-4-6

सीएम बनते ही योगी ने काम करना शुरू किया, इलाहाबाद में दो बूचड़खाने सील

लखनऊ

उत्तरप्रदेश के नए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बीजेपी के वादों को पूरा करना शुरू कर दिया है। उनके सीएम बनते ही प्रशासन हरकत में आ गया और रविवार को इलाहाबाद में दो बूचड़खानों को सील कर दिया।

यूपी के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने की वरिष्ठ अफसरों के साथ बैठक, बोले-कानून व्यवस्था सरकार की पहली प्राथमिकता।

प्रशासन ने की दो बूचड़खानों पर कार्रवाई

रविवार रात करेली पुलिस पुलिस की मौजूदगी में अटाला और नैनी के चकदोंदी मोहल्ले में मानक के विपरीत चल रहे स्लाटर हाउस को ताला लगाकर बंद करने के बाद सील कर दिया। शहर में अटाला के साथ रामबाग और नैनी के बूचड़खानों को बंद करने का आदेश एनजीटी पहले ही दे चुका है।

केजरीवाल सरकार के पूर्व मंत्री जितेंद्र तोमर की डिग्री रद्द

नई दिल्ली

नई दिल्ली सरकार में कानून मंत्री रहे जितेंद्र सिंह तोमर की डिग्री को रद्द कर दिया गया है। बिहार के भागलपुर जिले में स्थित तिलकामांझी भागलपुर विवि ने यह कदम सीनेट की हुई बैठक के बाद उठाया है। सोमवार को इसे लेकर एक बैठक का आयोजन किया गया था। उसके बाद इस पर मुहर लग गई। दिसंबर में ही कुलपति कार्यालय में परीक्षा बोर्ड की बैठक हुई थी, बैठक के बाद इस बात पर सहमति बन गई थी कि जितेंद्र तोमर की डिग्री को रद्द किया जाएगा।

शिक्षकों की कमी के लिए तीन सूत्रीय फार्मूला

नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने विश्वविद्यालयों में शिक्षकों की कमी को दूर करने के लिए एक व्यापक रणनीति शुरू की है। इसके तहत एक ओर एमफिल और पीएचडी कर रहे छात्रों को अध्यापन की ओर आकर्षित किया जाएगा, वहीं विश्वविद्यालयों को कहा गया है कि वे रिटायरमेंट के बाद भी 70 साल की उम्र तक शिक्षकों की सेवा लें। साथ ही केंद्रीय विश्वविद्यालयों में शिक्षकों की कमी की सूचना नियमित रूप से एक वेबसाइट पर जारी की जाएगी।

केंद्रीय मानव संसाधन विकास (एचआरडी) मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने सोमवार को साफ तौर पर माना कि केंद्रीय विश्व विद्यालयों में शिक्षकों की भारी कमी है। उन्होंने कहा, शिक्षकों की कमी बहुत गंभीर मुद्दा है। देश में 41 केंद्रीय विश्व विद्यालय हैं और इनमें 20 फीसदी रिक्तियां हैं। हमने सभी विश्व विद्यालयों को निर्देश दिया है कि वे रिक्तियां भरने की प्रक्रिया नियमित रूप से जारी रखें। यह वाक इन इन्टरव्यू हो और रिक्तियों को तुरंत दूर किया जाए।

जावड़ेकर ने कहा कि सरकार इन रिक्तियों को ले कर बहुत गंभीर है। इस संबंध में कमी पर लगातार निगरानी व्यवस्था के बारे में उन्होंने कहा, हमने तय किया है कि शिक्षकों की रिक्तियों को नियमित तौर पर डायनामिक प्लेटफार्म पर पेश किया जाएगा। इस तरह कोई भी इस वेकैंसी की स्थिति को कभी भी देख सकता है। सभी केंद्रीय विश्व विद्यालयों को कहा गया है कि वे हर 15 दिन में इसे अपडेट करें। विश्व विद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की वेबसाइट पर इसका लिंक होगा।

इसी तरह शिक्षकों की कमी को दूर करने के लिए विश्व विद्यालयों को कहा गया है कि शिक्षक अगर रिटायर के बाद भी स्वस्थ हों तो 70 साल की उम्र तक अधिक से अधिक उनकी सेवा ली जाए।

सरकार इनकी रिटायरमेंट उम्र पहले ही 65 वर्ष कर चुकी है। जावड़ेकर ने कहा कि छात्रों का अध्यापन की ओर नहीं आना शिक्षकों की कमी की एक बड़ी वजह है। इसलिए मंत्रालय अब एमफिल और पीएचडी कर रहे छात्रों को विशेष रूप से शिक्षण के क्षेत्र में आने के लिए प्रेरित करने पर ध्यान दे रहा है।

उपहार सिनेमा अग्निकांड: एससी ने गोपाल अंसल को तुरंत सरेंडर करने को कहा

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने उपहार सिनेमा अग्निकांड के दोषी गोपाल अंसल को सरेंडर के लिए अतिरिक्त समय देने से इनकार कर दिया। गोपाल अंसल को राहत दिलाने के उद्देश्य से वरिष्ठ वकील राम जेठमलानी कोर्ट में उपस्थित हुये, लेकिन कोर्ट ने जेठमलानी की दलीलों को दरकिनार करते हुए गोपाल अंसल को सरेंडर करने के लिए और वक्त देने से मना कर दिया। इससे पहले कोर्ट की ओर से गोपाल अंसल को राहत देते हुए 9 मार्च को उन्हें जेल नहीं भेजने की याचिका को खारिज करते हुए आत्मसमर्पण करने को लेकर 10 दिन की मोहलत दी गयी थी। जस्टिस रंजन गोगोई, जस्टिस कुरियन जोसेफ और जस्टिस ए के गोयल की खंडपीठ ने अंसल को सजा की 7 महीने की बाकी अवधि को पूरा करने के लिए 20 मार्च को आत्मसमर्पण का निर्देश दिया था।

हार नहीं मानेंगी बसपा सुप्रीमो मायावती, ईवीएम मुद्दे पर जाएंगी कोर्ट

लखनऊ

यूपी चुनाव में मिली करारी हार के बाद भी बसपा सुप्रीमो मायावती पीछे हटने को तैयार नहीं हैं। ईवीएम के मुद्दे पर वो कोर्ट भी जाने को तैयार हैं। उन्होंने कहा है कि इस मुद्दे को लेकर वे अगले 2-3 दिनों के अंदर कोर्ट जा सकती हैं। गौरतलब है कि यूपी चुनाव परिणाम के बाद सबसे पहले मायावती ने ईवीएम में छेड़छाड़ का आरोप लगाया था। बाद में आम आदमी पार्टी ने भी चुनावों में हार का ठीकरा ईवीएम के सिर फोड़ा।

दरअसल 11 मार्च को जैसे ही यूपी चुनाव के नतीजे सामने आए, मायावती ने कहा कि ईवीएम में छेड़छाड़ की गई है। उसके बाद उत्त प्रेदश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा था कि मायवाती के आरोपों में सच्चाई है, या नहीं, इसे कुछ दिनों के बाद बताएंगे, वहीं उत्तराखंड के पूर्व सीएम हरीश रावत ने भी छेड़छाड़ के आरोप लगाए थे।

चुनाव आयोग ने आरोपों को नकारा

हालांकि इन आरोपों को चुनाव आयोग ने सिरे से नकार दिया था। चुनाव आयोग ने साफ शब्दों में कहा था कि ईवीएम में किसी प्रकार की कोई छेड़छाड़ नहीं की जा सकती है। ईवीएम और चुनावों में शुचिता रखने के लिए टेक्निकल और प्रशासनिक स्तर पर पूरी तरह से सावधानी रखी जाती है। चुनाव आयोग ने कहा था कि जिन राजनीतिक दलों या फिर व्यक्तियों के पास इस बात के कोई सबूत हैं तो वो उसे साबित करें कि ईवीएम के साथ कैसे छेड़छाड़ हो सकती है। आयोग इन सबूतों को गंभीरतापूर्वक देखने के बाद ही किसी तरह का कोई निर्णय लेगा।

संसदीय समिति ने सागरमाला परियोजना के लिए जरूरी वित्तीय संसाधनों की मांग की

नई दिल्ली

देश के विभिन्न बंदरगाहों के विकास कार्य के लिए महत्वाकांक्षी सागरमाला परियोजना शुरू होने को रेखांकित करते हुए संसद की एक समिति ने इस परियोजना को आवश्यकतानुसार धन उपलब्ध कराने पर जोर दिया है, साथ ही यह भी कहा है कि यदि सागरमाला के तहत परियोजनाएं मंत्रालय की योजनानुसार पूरा हो जाती है तब देश में आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि के साथ रोजगार के अवसरों का भी निर्माण होगा।

संसद में पिछले सप्ताह पेश परिवहन, पर्यटन और संस्कृति संबंधी स्थायी समिति की रिपोर्ट में कहा गया है कि पोत परिवहन मंत्रालय के पास सागरमाला परियोजना के अंतर्गत पत्तन विकास कार्य करने के लिए महत्वाकांक्षी योजना है। समिति यह नोट करती है कि सागरमाला विकास कंपनी का आरंभ 1000 करोड़ रूपये की प्रारंभिक प्रधिकृत पूंजी से किया गया है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि अगले तीन वित्तीस वर्ष में 3,33,534 करोड़ रुपये की वास्तविक लागत से सागरमाला परियोजना के अंतर्गत 199 मुख्य परियोजनाओं को पूरा करने का लक्ष्य है। समिति परियोजनाओं को पूरा करने के लिए अपेक्षित राशि को प्राप्त करने हेतु इतनी मात्रा में संसाधन जुटाने के लिए मंत्रालय की वित्तीय योजना का ब्यौरा जानना चाहती है।समिति सिफारिश करती है कि सागरमाला के अंतर्गत परियोजनाओं को आश्वयकतानुसार वित्तीय अनुदान उपलब्ध कराये जाए।

जाट आंदोलन: वादाखिलाफी हुई तो 24 घंटे में करेंगे दिल्ली कूच

जींद

मुख्यमंत्री मनोहर लाल के साथ वार्ता में समझौता हो जाने के बाद भी जाटों का धरना सोमवार को भी जारी रहा। जाट नेता यशपाल मलिक ने कहा कि हमने सरकार पर भरोसा किया है। यदि सरकार ने वादा खिलाफी की तो 24 घंटे नहीं लगेगा और जाट फिर दिल्ली कूच करेंगे।

अखिल भारतीय जाट आरक्षण संघर्ष समिति के अध्यक्ष यशपाल मलिक सोमवार को झज्जर में जाट आंदोलनकारियों के धरना स्थल पर पहुंचे। वहां काफी संख्या में जाट मौजूद थे। यशपाल मलिक ने आंदोलनकारियों को मुख्यमंत्री मनोहरलाल के साथ हुई वार्ता और सरकार के साथ हुए समझौते के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मनोहरलाल के साथ वार्ता बहुत अच्छे हुई है। इस बार सरकार ने वादाखिलाफी की तो 24 घंटे नहीं लगेंगे और जाट दिल्ली कूच करेंगे।

उन्होंने कहा कि अब धरनों में हाजरी की दिक्कत नहीं है, अब हम सभी को अपने कामकाज करने चाहिए। संघर्ष समिति की ज़िला इकाई आंदोलन के बारे में फैसले से जुड़ी जानकारी और आगे को रणनीति से अवगत कराती रहगी। अब 26 मार्च को कोर कमेटी की बैठक होगी और आंदोलन के बारे में फैसले किए जाएंगे। बाद में यशपाल मलिक चरखी दादरी और उसके बाद फतेहाबाद भी गए। फतेहाबाद में वह रविवार को पुलिस के साथ भिड़ंत में घायल जाट आंदोलनकारियों के घर भी गए और उनका हालचाल जाना।

उधर, राज्यभर में जाटों का धरना सोमवार को भी जारी रहा। कैथल के देवबन कैंची और जींद के इक्कस गांव सहित कई धरनास्थलों पर आज भी काफी भीड़ रही। पानीपत के उग्राखेड़ी गांव में धरनास्थल पर अन्य दिनों की अपेक्षा लोगों की कम भीड़ नजर आई। उग्राखेड़ी में महिलाओं ने मुख्यमंत्री और जाट नेताओं के बीच वार्ता में समझौता हो जाने पर खुशी मनाई। दूसरी ओर डीजीपी केपी सिंह फतेहाबाद के ढाणी गोपाल में रविवार को जाट आंदोलनकारियों से टकराव में घायल पुलिसकर्मियों से मिलने पहुंचे। डीजीपी ने अस्पताल में भर्ती पुलिसकर्मियों का हालचाल पूछा और उनकी हौसला अफजाई की।

प्रसंगत: सेवा की भावना

जर्मनी का महान समाजसेवी ओबरलीन एक बार अपनी यात्रा के दौरान मुसीबतों से घिर गया। तेज आंधी-तूफान और ओलों ने उसे बुरी तरह परेशान कर दिया। वह मदद के लिए चिल्लाता रहा, लेकिन सबको अपनी जान बचाने की पड़ी थी, सो उसकी पुकार कौन सुनता? वह बेहोशी की हालत में नीचे गिर पड़ा। कुछ देर बाद उसे अहसास हुआ कि किसी व्यक्ति ने उसे थामा हुआ है और उसे सुरक्षित जगह पर ले जाने की कोशिश कर रहा है। होश में आने पर ओबरलीन ने देखा कि एक गरीब किसान उसकी सेवा में जुटा हुआ है। ओबरलीन ने किसान से कहा कि वह उसकी सेवा करने के एवज में उसे इनाम देगा। फिर उसने किसान से उसका नाम जानना चाहा। यह सुनकर किसान मुस्कराया और बोला, 'मित्र! बताओ, बाइबिल में कहीं किसी परोपकारी का नाम लिखा है। नहीं न। तो फिर मुझे भी अनाम ही रहने दो। आप भी तो निःस्वार्थ सेवा में विश्वास रखते हो। फिर मुझे इनाम का लालच क्यों दे रहे हो? वैसे भी पुरस्कार का लालच किसी को भी निःस्वार्थ सेवा करने के लिए मजबूर नहीं कर सकता। सेवा की भावना तो हमारे अंदर से उत्पन्न होती है। इसे न ही पैदा किया जा सकता है और न ही मिटाया जा सकता है।' ओबरलीन उस निर्धन किसान की बातें सुनकर दंग रह गया। वह मन ही मन सोचने लगा कि आज उसे इस किसान ने एक पाठ पढ़ाया है। सेवा जैसा भाव तो अनमोल है। उसकी कोई कीमत नहीं लगाई जा सकती और सेवा के लिए कोई भी पुरस्कार अधूरा है। यह किसान कितना महान है जो बिना किसी स्वार्थ के परोपकार करने में विश्वास करता है। आज कितने ऐसे लोग हैं जो इस निर्धन किसान की परोपकार की भावना का मुकाबला कर सकते हैं। ओबरलीन को इस बात के लिए अफसोस हुआ कि उसने किसान को इनाम देने की बात कही। ओबरलीन ने किसान से कहा, 'अगर आपके जैसे इंसान हर जगह हों तो कहीं पर दुराचार शेष नहीं रहेगा।'

यह दैनिक प्रकाशक, मुद्रक एवं मालिक एड. अरुण कोटेचा द्वारा देश प्रेस, 85, हनुमाननगर, नागपुर यहां छपवाकर 1, पंचशील सिनेमा बिल्डिंग, वर्धा रोड, नागपुर - 440012 यहां से प्रकाशित किया।
संपादक - एड. अरुण कोटेचा, फोन नं. 2541300/2562837 फॅक्स : (0712) 2541300 email : vikibaat@gmail.com/vikibaat@rediffmail.com R.N.I.No.MAH HIN/2000/6262

सूचना - 'विदर्भ की बात' में प्रकाशित सभी लेखों पर संपादक की अनुमति हो यह अनिवार्य नहीं है। 'विदर्भ की बात' में प्रकाशित किसी भी लेख पर यदि आपत्ति हो तो उसके विरुध्द केवल नागपुर न्यायालय में ही कार्रवाई होगी।